आज का पुरुषार्थ 3 March 2023

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

सार – *"आज बाबा से हम जी भरकर **शुक्रिया** अदा करेंगे .. इतना सुन्दर सा जीवन जो उसने हमें दिये है .. हम सब बच्चे आज इसी नशें में रहते हुए प्रभु मिलन का सुखद अनुभव करेंगे "*

प्रभु मिलन के सुखद दिन तो उसी समय से प्रारंभ हो गये, जबसे हमने बाबा का हाथ पकड़ा। जो बहुत अच्छे योगयुक्त है रोज उनका बाबा से मिलन अवश्य होता है।

जो इस संसार से detach होते जाते है, जो **ईश्वरीय नशें में** रहते है, जो **स्वमान में स्थित** हो जाते है .. उनका शिवबाबा के साथ समीपता का अनुभव भी होता है और बहुत सुन्दर मिलन भी होता है।

लेकिन आज **विशेष मिलन दिवस है**। हम सभी को ख्याल रहे, विश्वास रहे के आज, क्योंकि अनेक बाबा के बच्चे उन्हें प्यार से याद करते, बुलाते है।

आज बाबा की **दृष्टि** हरेक बच्चे पर रहती है। वे अपनी शक्तिशाली किरणें सबके ऊपर डालते रहते है। फ़ील करेंगे ..

' आज तो जैसे हम बाबा की किरणों के नीचे मगन है, बरसात हो रही है हमारे ऊपर शक्तियों के किरणों की, पवित्रता के किरणों की।

तो आज का दिन विशेष वरदानी दिवस है। सभी अपने को अन्तर्मुखी रखें। अपनी चेकिंग करे। बाबा से बातें करते रहे। उसकी शुक्रिया करते रहे ..

" क्या कुछ नहीं दिया अपने हमें .. हम आपको कब से ढूंढते थे, सत्य ज्ञान की हमें युगों से तलाश थी। अपने ही आकर हमारे मन का अंधकार मिटाया। हमारी राहें सफल कर दी, जीवन सुन्दर बना दिया, खुशियों से भर दिया, सहज कर दिया, **ईश्वरीय आनन्द** से सम्पन्न कर दिया .. आपको कोटि कोटि बार शुक्रिया "

बहुत कुछ उनसे मिला है। आज का दिन उनको शुक्रिया करने में व्यतीत करें। हम तो जिन्दगी के राहों पर अकेले थे। आप हमारे जीवन साथी बन गये। खुदा दोस्त बन गये हमारे। आपको बारम्बार शुक्रिया।

आप हमारी जीवन नईया की खिवैया बन गये। आपने हमारे मन की सारे बोझ हरकर हमें डबल लाइट बना दिया। आप सर्वशक्तिमान। सदा कहते हो ..

" अपने बोझ सारे मुझे दे दो "

सचमुच बाबा बोझ उठाता है, हल्के कर देते है, ऐसे बाबा को कोटि कोटि बार शुक्रिया। जब हम शुक्रिया करते रहेंगे तब हमारा सारा दिन खुशियों में बीता रहेगा। बाबा से जैसे हम जुड़े रहेंगे। उसकी दुआयें, उसकी प्रसन्नता भरी, प्यार भरी दृष्टि हमें मिलती रहेगी।

तो आज का दिन बहुत शुभ है, बहुत प्राप्तियाँ करने का है, **वरदानी दिवस है**। सूक्ष्म वतन में जाकर एकबार सवेरे, एकबार शाम को ..

" **बाबा से दृष्टि लेंगे** .. उनका वरदानी हाथ मेरे सिर पर है .. ऐसा अनुभव करेंगे .. बाबा ने मस्तक पर तिलक लगाकर कोई वरदान दिया "

कोई एक वरदान लेंगे, ताकि उसपर मास्टारी हो सके, ऐसे अनुभव करेंगे। सवेरे भी और शाम को भी, तो बहुत अच्छी फीलिंग होगी। और याद रखेंगे ..

" आज तो बाबा मेरे साथ है "

*" कभी सिर के ऊपर **छत्रछाया** है .. कभी ज्ञान सूर्य को अपनी आंखो के सम्मुख देखेंगे "*

सामने है, चमक रहा है →

" मैं मास्टर ज्ञान सूर्य और ज्ञान सूर्य सामने है .. उसकी किरणें फैल रही है .. मुझ पर पड़ रही है "

इससे एकाग्रता बढ़ेगी। और बहुत मज़ा आयेगा। सारा दिन खुशियों में आज का बीतें, ईश्वरीय नशें में बीते। बस आज यही संकल्प करना है, यही शुभ भावना है।

तो आज के प्रभु मिलन की दिवस को सभी को बहुत बहुत वधाई हो। आप ईश्वरीय प्रेम में मग्न होकर अपने जीवन का सुख प्राप्त करे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Main: www.shivbabas.org